बाल विकास

एवं

शिक्षा शास्त्र

विकास एवं अधिगम में परस्पर संबद्धता

→ विकास → गतिमान प्रक्रिया → प्रकृति = प्रवाहमान जल

→ बालक की चहुँमुखी विकास = विभिन्न कारकों के सहयोग से संपन्न

→ विकास की प्रक्रिया में सकारात्मक प्रभाव डालने वाले = रुचि, आदत, दृष्टिकोण, जीवन-मूल्य, स्वभाव, व्यक्तित्व, व्यवहार

बाल विकास के संकल्पनात्मक मुद्दे

① जन्म से पूर्व एवं जन्म के बाद से परिपक्व होने तक बालक में होने वाले परिवर्तन की प्रकृति क्या है।